ध्येय पथ

जुलाई 2024

मासिक ई-पत्रिका

सम्पादक

श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ला

श्री अभिनव त्रिपाठी

महाराणा प्रताप महाविद्यालय,

जंगल धूसड़, गोरखपुर

शैक्षिक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक (प्रथम दिवस)

02 जुलाई को शैक्षिक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के प्रथम दिवस प्राचार्य डा0 प्रदीप राव ने सत्र 2024–25 की कार्य योजना पर विचार–विमर्श किया। बैठक में गत वर्ष के कार्य योजना की समीक्षा की गई। तत्पश्चात वर्तमान सत्र 2024–25 के प्रवेश एवं पाठ्यक्रम योजना पर रणनीति बनाई गई। कार्यशाला में महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा प्रवेश प्रक्रिया व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर प्रकाश डाला गया।

बैठक द्वितीय दिवस

04 जुलाई को शैक्षिक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक के दूसरे दिन अनुशासन, दायित्व सह कार्य विभाजन, पठन–पाठन, पाठ्यक्रम योजना निर्माण, आगामी विशिष्ट कार्यक्रम, वार्षिक विभागीय योजना एवं महाविद्यालय की वेबसाइट पर गहन विचार विमर्श किया गया।

वन महोत्सव

05 जुलाई को उत्तर प्रदेश शासन की महत्वाकांक्षी योजना वन महोत्सव सप्ताह के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षकों द्वारा औषधीय पौधे लगाए गए। कार्यक्रम का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह एवं डॉ. अखिलेश कुमार गुप्त ने किया।

पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने की प्रतिबद्धता–

06 जुलाई को वन महोत्सव सप्ताह के अन्तर्गत बी.एड. विभाग के तत्वाधान में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभागीय शिक्षकों द्वारा 'एक पेड़ अपनी मां के नाम' महाअभियान के क्रम में विभिन्न प्रकार के पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम का संयोजन बी.एड्. विभाग की विभागाध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

स्नातक प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ –

08 जुलाई को स्नातक प्रवेश प्रक्रिया सत्र 2024–25 के प्रथम दिन ही प्रथम वरीयता सूची के प्रवेशार्थियों द्वारा प्रवेश लेने के लिए भारी संख्या में प्रवेशार्थी उपस्थित हुए। स्नातक प्रवेश प्रक्रिया के सम्बन्ध में प्रवेश संयोजक डा0 रघुवीर नारायण सिंह ने उत्साहवर्धन किया।

व्याख्यान कार्यक्रम –

11 जुलाई को रोवर्स/रेंजर्स के तत्वावधान में विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य श्री रितेन्द्र नाथ पाण्डेय ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन रोजर्स/रेंजर प्रभारी श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम में रोवर्स/रेंजर के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

एक दिवसीय महाविद्यालय वेबसाइट कार्यशाला–

15 जुलाई को तकनीकी एवं वेबसाइट प्रभारी द्वारा एक दिवसीय वेबसाइट कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में महाविद्यालय प्रबन्धान एवं उन्नयन हेतु विशेष सत्र चलाया गया। कार्यक्रम का संयोजन तकनीकी एवं वेबसाइट प्रभारी श्री प्रियांशु श्रीवास्तव द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

विशिष्ट व्याख्यान–

15 जुलाई को राष्ट्रीय कैडेट कोर के तत्वावधान में कौशल भारत–कुशल भारत विषय पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. वेंकट रमन ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन एन.सी.सी. प्रभारी ले. रमाकान्त दुबे तथा रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य श्री विवेक विश्वकर्मा ने संयुक्त रूप से किया।

प्रार्थना सभा प्रारम्भ–

16 जुलाई से प्रार्थना सभा का शुभारम्भ हुआ। इस अवसर पर नवांगतुक विद्यार्थियों का स्वागत किया गया। महाविद्यालय के बी.एड्. विभाग की विभागाध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने महाविद्यालय के परिसर संस्कृति, महाविद्यालयी परम्पराएं, पठन–पाठन व अनुशासन से विद्यार्थियों को अवगत कराते हुए महाविद्यालय में उनका स्वागत किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी विद्यार्थी, शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम–

19 जुलाई को एन.सी.सी. के तत्वावधान में 'बी' एवं 'सी' प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में 45वीं यू.पी.एन.सी.सी. बटालियन के हवलदार मित्रा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कुल 53 कैडेट्स को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालक महाविद्यालय के एन.सी.सी. प्रभारी ले. रमाकान्त दुबे ने किया। कार्यक्रम में एन.सी.सी. कैडेट्स के साथ अन्य विद्यार्थी व सभी शिक्षक सम्मिलित रहे।

वृक्षारोपण कार्यक्रम–

20 जुलाई को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजित किया गया। महाविद्यालय के भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक और स्वयंसेविकाओं को सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ. अखिलेश गुप्त व डॉ. आरती सिंह ने किया।

योगाभ्यास कार्यक्रम–

20 जुलाई को प्रार्थना सभा में योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रभारी डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल ने योग की प्रारम्भिक क्रियाओं को बताते हुए अनुलोम–विलोम, कपालभाति, ध्यान व अन्य आसन व प्राणायाम का अभ्यास कराया। इस अवसर पर महाविद्यालय के विद्यार्थी, शिक्षक व कर्मचारी योगाभ्यास में सम्मलित रहे।

राष्ट्रीय आम दिवस–

22 जुलाई को गृहविज्ञान विभाग द्वारा 'राष्ट्रीय आम दिवस' मनाया गया। इस अवसर पर विभाग की शिक्षिकाओं तथा छात्राओं द्वारा आम के विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए गए। गृह विज्ञान विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने उद्‌बोधन के द्वारा राष्ट्रीय आम दिवस के महत्व व उपयोगिता को बताया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. दीपशिखा नागवंशी ने किया।

बाल गंगाधर तिलक जयन्ती व चन्द्रशेखर आजाद जयन्ती–

23 जुलाई को प्रार्थना सभा में बाल गंगाधर तिलक व चन्द्रशेखर आजाद के जयन्ती के अवसर पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया। मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के इतिहास विभाग के प्रभारी डॉ. अनूप पाण्डेय ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम–

23 जुलाई को चन्द्रशेखर आजाद के जयन्ती के अवसर पर इतिहास विभाग द्वारा 'आजाद का भारत' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बतौर मुख्य वक्ता केन्द्रीय कार्यालय अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना नई दिल्ली के रिसर्च एसोसिएट श्री पंकज सिंह ने अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन व संचालन विभागाध्यक्ष श्री अनूप कुमार पाण्डेय ने किया। कार्यक्रम में इतिहास विभाग के सभी विद्यार्थी व शिक्षक उपस्थित रहे।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम–

26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस के अवसर पर रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग एवं एन.सी.सी. के संयुक्त तत्वावधान में विशिष्ट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय भटनी बाजार उनवल के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के पूर्व आचार्य डॉ. बलवान सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह् भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन श्री विवेक विश्वकर्मा तथा संयोजन एन.सी.सी. प्रभारी ले. रमाकान्त दुबे ने किया। इस अवसर पर रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग व एन.सी.सी. के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

योगाभ्यास कार्यक्रम–

27 जुलाई को प्रार्थना सभा में योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रभारी डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल ने सूक्ष्म व्यायाम के साथ वृक्षासन, ताड़ासन व वज्रासन आदि आसनों को कराया साथ ही उसके महत्व को बताया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी विद्यार्थी, शिक्षक व कर्मचारी योगाभ्यास में सम्मलित रहे।

वृक्षारोपण कार्यक्रम–

27 जुलाई को भूगोल विभाग द्वार विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस की पूर्व संध्या पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने वृक्षारोपण कर प्रकृति संरक्षण के व्यावहारिक पक्षों को बताया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. शालू श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम में विभाग के 30 विद्यार्थी सहित समस्त शिक्षक उपस्थित रहे।

वृक्षारोपण कार्यक्रम–

27 जुलाई को पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के पुण्यतिथि के अवसर पर बी.एड्. विभाग द्वारा 'मिशन मंझरिया' के अन्तर्गत मंझरिया ग्राम में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बी.एड्. विभाग की विभागाध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने ग्रामवासियों और छात्राध्यापकों को उद्बोधन देते हुए जलवायु परिवर्तन को रोकने में पेड़–पौधों की भूमिका को बताया। साथ ही प्रकृति संरक्षण के लिए संकल्प दिलाया। कार्यक्रम का संयोजन बी.एड. विभाग की विभागाध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। कार्यक्रम में विभाग के समस्त विद्यार्थी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम–

27 जुलाई को रसायन विज्ञान विभाग द्वारा सोलर सेल विषय पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में सेंट एण्ड्रयूज कॉलेज, गोरखपुर रसायन विज्ञान विभाग के प्रो. राशिद तनवीर ने व्याख्यान प्रस्तुत किय। कार्यक्रम का संचालन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. राम सहाय तथा संयोजन और आभार ज्ञापन रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शिव कुमार वर्नवाल ने किया। इस अवसर पर विभाग के सभी विद्यार्थी, शिक्षक तथा कर्मचारी उपस्थित रहे।

व्याख्यान कार्यक्रम–

29 जुलाई को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के चतुर्थ वर्षगांठ के अवसर पर प्रार्थना सभा में व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर इतिहास विभाग की सहायक आचार्या डॉ. अर्चना गुप्ता ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के 4 वर्ष की सफलतम शैक्षिक यात्रा पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी विद्यार्थी, शिक्षक एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम–

30 जुलाई को राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा ''नशा मुक्ति अभियान'' के अन्तर्गत विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. अभय श्रीवास्तव ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। उक्त कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ. अखिलेश कुमार गुप्त ने किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयंसेवक और स्वयंसेविकाएं उपस्थित रहीं।

मुंशी प्रेमचन्द जयन्ती–

31 जुलाई को प्रार्थना सभा में मुंशी प्रेमचन्द जयन्ती के अवसर पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के हिन्दी विभाग की प्रभारी डॉ. आरती सिंह ने मुंशी प्रेमचन्द के लेखों, कहानियों, उपन्यासों व साहित्यिक जगत में उनके अमूल्य योगदान पर प्रकाश डालते हुए उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के विद्यार्थी, शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

समाचार पत्रों में प्रकाशित महाविद्यालय के विविध कार्यक्रम

दैनिक जागरण
गोरखपुर, 4 जुलाई, 2024
www.jagran.com

बैठक में नए सत्र की योजनाओं पर किया गया विचार-विमर्श

गोरखपुर : महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में छह दिवसीय वार्षिक योजना बैठक का शुभारंभ हुआ। प्राचार्य डा. प्रदीप राव ने सत्र 2024-25 की वृहद योजना पर विचार-विमर्श किया। बैठक में पिछले वर्ष के कार्ययोजना की समीक्षा की गई। इसके बाद प्रवेश एवं पाठ्यक्रम योजना पर रणनीति बनाई गई। विभागीय योजना, पठन-पाठन, कक्षाध्यापन आदि पर भी योजना बनी। विद्यार्थी प्रगति आख्या, कक्षाओं में प्रोजेक्टर का प्रयोग, पठन-पाठन की नई तकनीकों के समावेशन एवं अनुशासन आदि पर 'गहन विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान डा. अभय श्रीवास्तव, शिप्रा सिंह, डा. विजय चौधरी, डा. आरएन सिंह, नंदन शर्मा, डा. वेंकट रमन तथा डा. मंजेश्वर आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। (विज्ञप्ति)

हिन्दुस्तान
गोरखपुर
बुधवार
10 जुलाई 2024
03

एमपी पीजी कॉलेज में यूजी प्रवेश प्रक्रिया शुरू

गोरखपुर। एमपी पीजी जंगल धूसड़ में सत्र 2024-25 के लिए सोमवार को स्नातक प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई। वरीयता सूची के अनुसार अभ्यर्थियों को स्नातक कला, विज्ञान एवं वाणिज्य विषयों में प्रवेश दिया गया। यह जानकारी संयोजक डॉ आरएन सिंह ने दी।

हिन्दुस्तान गोरखपुर, शुक्रवार, 12 जुलाई 2024 06

जनसंख्या का संतुलन ही प्रगति का आधार : रितेन्द्र

गोरखपुर। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में रोवर्स रेंजर्स द्वारा विश्व जनसंख्या दिवस पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। समाजशास्त्र के सहायक आचार्य रितेन्द्र नाथ पांडेय ने कहा कि बढ़ती हुई जनसंख्या न सिर्फ समाज, राष्ट्र और पर्यावरण को बल्कि मानवीय एवं प्राकृतिक संसाधनों को भी बुरी तरह प्रभावित करती है। इस अवसर पर पुष्पा निषाद, विभा सिंह, जितेन्द्र प्रजापति, कालीशंकर पाण्डेय, शैलेन्द्र कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

जनसंख्या का संतुलन ही प्रगति का आधार-रितेन्द्र नाथ

राष्ट्रीय आम दिवस पर पौधरोपण

जंगलधूसड़ (गोरखपुर)। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में गृहविज्ञान विभाग द्वारा एक सार्थक और दूरदर्शी पहल के साथ 'राष्ट्रीय आम दिवस' मनाया गया। इस अवसर पर विभाग की शिक्षिकाओं तथा छात्राओं द्वारा आम के पौधे लगाये गये।

कार्यक्रम के उद्देश्य को बताते हुए गृहविज्ञान विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने कहा यह दिवस आम के सांस्कृतिक महत्व को दर्शाता है तथा दुनिया भर में इसकी व्यापक लोकप्रियता तथा पाक व्यजनों में इसकी बहुमुखी प्रतिभा की याद दिलाता है। इस उत्सव के अन्तर्गत

पर्यावरण संरक्षण के तहत आम के वृक्षों को सहेजना है। इन पौधों को लगाकर गृहविज्ञान विभाग द्वारा हरित भविष्य में योगदान दिया गया, यह सुनिश्चित करते हुए कि आने वाले पीढ़ियां आमों की प्रचुरता, मधुरता और सुंदरता का आनंद ले सकेंगी। यह उत्सव पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक जुड़ाव के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वृक्षारोपण कार्यक्रम के अवसर पर गृहविज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री रीतिका त्रिपाठी सहित विभाग की छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संयोजक डा.दीपशिखा नागवंशी ने किया।

स्वतंत्रता संग्राम में 'आजाद' का बलिदान

जंगलधूसड़ (गोरखपुर)। चन्द्रशेखर आजाद जी भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान क्रान्तिकारी थे। जिन्होंने बेहद कम आयु में ही स्वतंत्रता आन्दोलन की तरफ उन्मुख होकर अल्पायु में ही देश के लिए हसते-हसते अपने प्राण न्योछावर कर दिये। उक्त बातें केन्द्रीय कार्यालय, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली के रिसर्च एसोसिएट श्री पंकज सिंह ने कही। वे महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, में इतिहास विभाग द्वारा चन्द्रशेखर आजाद की जयन्ती के अवसर पर 'आजाद का भारत' विषय पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता बोल रहे थे। श्री सिंह ने चन्द्रशेखर आजाद जी के स्वतन्त्रता आन्दोलन में भूमिका पर महत्वपूर्ण प्रकाश डालते हुए यह भी कहा कि

आजाद ने क्रान्तिकारी आन्दोलन के उस चरण का नेतृत्व किया जब भारतीय उग्रपंथी संगठनों के माध्यम से अंग्रेजों का विरोध करना आरम्भ कर दिये थे। पुलिस द्वारा कभी न पकड़े जाने के दृढ़ निश्चय के साथ आजाद लगातार आगे बढ़ते रहे। उनका अदम्य साहस और भारत माता के प्रति उनका अटूट समर्पण उन्हें एक महान क्रान्तिकारी बनाता है। आजाद जी एच.आर.ए. नामक क्रान्तिकारी संस्था के एक सक्रिय सदस्य रहे और 1928 में तरूण

भारतीय सैन्य के शौर्य का परिचायक कारगिल विजय दिवस-डा.बलवान सिंह

जंगलधूसड़ (गोरखपुर)। 26 जुलाई भारतीय सैन्य इतिहास में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। इसी दिन वर्ष 1999 में भारत के वीर जवानों ने चुनौतिपूर्ण परिस्थितियों, कठिन भू-भाग, खराब मौसम और बेहद सीमित संसाधनों के साथ यह युद्ध लड़कर अपना भू-भाग वापस ले लिया। कारगिल क्षेत्र से पाकिस्तानी सेना को खदेड़कर इस पर अपना अधिकार स्थापित किया था।

उक्त बातें बतौर मुख्य वक्ता महाविद्यालय भटवली बाजार, उनवल के रक्षा एंव स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के पूर्व आचार्य डा. बलवान सिंह ने कही। वे महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में रक्षा एंव स्त्रातजिक अध्ययन विभाग एंव एनसीसी के सयुक्त तत्वावधान में आयोजित विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे। डॉ.सिंह ने यह भी कहा कि पाकिस्तानी सेना अमानवीय तरीकों से सियाचिन ग्लेशियर पर कब्जा कर लद्दाख और कश्मीर के बीच का सम्बन्ध तोड़ना चाहती थी और धीरे धीरे लोगो को भेजकर तथा प्रशिक्षण देकर किसी तरह अपना अधिकार स्थापित करना चाहती थी। कारगिल की लड़ाई भारतीय सेना की सबसे कठिन लड़ाइयों में गिनी जाती है। भारतीय सेना का यह सैन्य अभियान लगभग तीन महीनों तक चला और 26 जुलाई 1999 को टाइगर हिल पर भारतीय सेना में अपना झंडा फहराकर विजय हासिल किया। उसी समय से भारत इस दिन को युद्ध के दौरान सैनिकों द्वारा किए गये सर्वोच्च बलिदान को सम्मान देने तथा उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि देने के लिए कारगिल विजय दिवस के रूप में मनाता है। कार्यक्रम में भूगोल विभाग के प्रभारी डा विजय कुमार चैधरी ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट कर उन्हे सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन विभाग के सहायक आचार्य विवेक विश्वकर्मा तथा संयोजन एनसीसी प्रभारी ले. रमाकान्त दुबे ने किया। इस अवसर पर रक्षा एंव स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के सभी विद्यार्थी व एनसीसी कैडेट्स उपस्थित रहें।

इसीक्रम में महाविद्यालय के प्रर्थना सभा में भी कारगिल विजय दिवस के अवसर पर एनसीसी कैडेट् आलोक सिंह द्वारा भी सम्बोधन प्रस्तुत किया गया।

प्रकृति में संतुलन बनाये रखने के लिए पेड़-पौधे लगाना जरूरी-शिप्रा सिंह

जंगल धूसड़ (गोरखपुर)। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में पूर्व राष्ट्रपति डा.ऐ.पी.जे. अब्दुल कलाम जी के पुण्यतिथि के अवसर पर बी.एड्. विभाग द्वारा मिशन मँझरियाँ के अन्तर्गत मँझरियाँ ग्राम में बी.एड्. के छात्राध्यापकों छात्राध्यापिकाओं एवं शिक्षकों द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर बी.एड्. विभागाध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने छात्राध्यापकों छात्राध्यापिकाओं को उद्बोधन देते हुए कहा की प्रकृति में संतुलन बनाए रखने के लिए तथा अपने आस-पास के वातावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए पेड़-पौधे लगाना बहुत आवश्यक है। पेड़-पौधों के माध्यम से प्रकृति सभी प्राणियों पर अनंत उपकार करती है। मानव उपयोग के लिए पौधे अनेक उत्पाद प्रदान करते हैं। श्रीमती सिंह ने युवाओं को पौधारोपण के लिए प्रेरित करते हुए यह भी कहा कि युवा प्रकृति की रक्षा के लिए विभिन्न गतिविधियों

उत्पन्न गंभीर चुनौतियों से लड़ने में सक्रिय भूमिका निभा सकते है। डा.ऐ.पी.जे. अब्दुल कलाम जी का भी प्रकृति की रक्षा हेतु यही विचार था। उनके विचारों पर खरा उतरने के लिए सभी छात्राध्यापकों-छात्राध्यापिकाओं को पौधारोपण से

समाज के अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रोत्साहित करना होगा। उक्त कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के पौधे जैसें जामुन, अमरुद, हरश्रृंगार अन्य औषधीय पौधों का रोपण किया गया। इस कार्यक्रम मे सुश्री दिप्ती गुप्ता, शैलेन्द्र सिंह, श्रीमती विभा सिंह,

श्रीवास्तवा एवं अन्य शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

इसीक्रम में भूगोल विभाग द्वारा **विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस** की पूर्व संध्या पर पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रकृति से ही हमारा अस्तित्व हैं प्रकृति से हमें वायु,

प्राप्त हो जाती है। अतः हमें प्राकृतिक संघटको को बनाएं रखने में अपनी भूमिका का निर्वहन करना चाहिए। जल संरक्षण, पौधारोपण इको फ्रेंडली उत्पादो का उपयोग, अजैविक ऊर्जा स्त्रोतो का उपयोग, जागरुकता, प्रकृति संरक्षण में अहम भूमिका निभाता हैं।

डा.विजय कुमार चौधरी ने कहीं। डा.चौधरी ने यह भी कहा कि वर्तमान में आई.यू.सी.एन. विश्व का सबसे बड़ा और विविध पर्यावरण नेटवर्क है। जो 2000 के दशक से प्रकृति आधारित समाधान की शुरुआत की। इसमें जलवायु परिवर्तन, भोजन एवं जल की सुरक्षा, गरीबी उन्मुलन जैसी वैश्विक चुनौतियों का समाधान करते हुए प्रकृति का संरक्षण करते है। अपने उद्बोधन में डा.चौधरी ने पौधारोपण कर प्रकृति संरक्षण के व्यवहारिक पक्षो पर भी बल दिया। पौधारोपण कार्यक्रम में अन्य विभागीय शिक्षण डा.नीलम गुप्ता, अरविन्द कुमार मौर्य तथा स्नातक एवं स्नातकोत्तर के 30 विद्यार्थी उपस्थित रहें, नीम, पीपल एवं अशोक के पौधे रोपित किए गए। कार्यक्रम का संयोजन डा.शालू श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

इसीक्रम में रसायन विज्ञान विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता सेन्ट एंड्रयूज कॉलेज गोरखपुर के रसायन विज्ञान

%सोलर सेल% विषय पर विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि अल्केमिस्ट ने विद्युत की खोज की, इसके उत्पति के विभिन्न विधियां है जैसे-थर्मल पॉवर प्लांट, न्यूक्लियर पॉवर प्लांट, विंड पॉवर प्लांट, हाइड्रो इलेक्ट्रिक पॉवर प्लांट आदि हैं। इन विधियों से विद्युत उत्पादन के कारण पर्यावरण बुरी तरह प्रदूषित हो रहा है जो पर्यावरण के लिए विकराल समस्या का रुप ले रहा है। वर्तमान समय मे हम सब के सामने पर्यावरण को बचाना सबसे बड़ी चुनौती है। विद्युत उत्पति के संसाधन भी सीमित मात्रा में हैं। अतः हम सब को सौर ऊर्जा के द्वारा विद्युत उत्पन्न करने को प्रत्साहित करना चाहिए जिससे पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाया जा सकता है। उक्त कार्यक्रम का संचालन विभाग के सहायक आचार्य डा.राम सहाय, आभार ज्ञापन विभागाध्यक्ष डा.शिव कुमार बर्नवाल ने किया। इस अवसर पर विभाग के सभी विद्यार्थी, शिक्षक तथा कर्मचारी उपस्थित रहें।

राष्ट्रीय सहारा

गोरखपुर। शनिवार • 20 जुलाई • 2024

एनसीसी भारत का सबसे बड़ा अनुशासित संगठन : ले. रमाकान्त दुबे

गोरखपुर(एसएनबी)। एनसीसी भारत की सबसे बड़ी एवं अनुशासित संगठन है। जो युवाओं को अनुशासन, प्रशिक्षण, देश एवं समाज सेवा का पाठ पढ़ाने के साथ-साथ उन्हे रोजगार का अवसर भी प्रदान करती है। यह बातें ले. रमाकान्त दुबे एनसीसी. प्रभारी ने महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ गोरखपुर में एनसीसी द्वारा आयोजित 'बी' एवं 'सी' प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम में कहीं। इस कार्यक्रम में 45वीं यू.पी.एन.सी.सी. बटालियन के हवलदार मित्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। महाविद्यालय की उप-प्राचार्य श्रीमती शिप्रा सिंह ने सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में कुल 53 कैडेट्स को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के एन.सी.सी. कैडेट्स और अन्य विद्यार्थियों के साथ-साथ महाविद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

एमपीपीजी कालेज में प्रमाणपत्र वितरण कार्यक्रम संपन्न

राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२०-२१ का उद्देश्य समावेशी एवं समान गुणवत्ता युक्त शिक्षा

जंगल धूसड़ (गोरखपुर)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, 21वीं शताब्दी की पहली शिक्षा नीति है, जिसका केन्द्र बिन्दु बहु विषयकता एवं समग्र शिक्षा है। इस शिक्षा नीति का लक्ष्य देश के विकास के लिए अनिवार्य शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करना है, जो 1986 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति मे अधूरे रह गये थे।

यह शिक्षा नीति इस दिशा में सकारात्मक प्रयास के साथ सफल सिद्ध हो रही है। उक्त बातें राष्ट्रीय शिक्षा नीति की चतुर्थ वर्षगांठ के अवसर पर महा विद्यालय के प्रार्थना सभा में इतिहास विभाग कि सहायक आचार्य डा.अर्चना गुप्ता ने कहा। डा.गुप्ता ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों को बताते हुए यह भी कहा कि इसका प्रमुख उद्देश्य सभी के लिए समावेशी एवं समान गुणवत्ता युक्त शिक्षा सुनिश्चित करना और जीवन पर्यन्त शिक्षा के अवसरों को बढ़ावा दिया जाना है। बुनियादी कला, शिल्प मानविकी, खेल, भाषा, साहित्य और संस्कृति के ज्ञान के साथ विद्यार्थियों को मातृभाषा और क्षेत्रीय भाषा में शिक्षा देकर उनको अपने पारम्परिक भारतीय गौरवपूर्ण विरासत से जोड़े रखना है। यह शिक्षा नीति प्राथमिक से माध्यमिक स्तर तक कि शिक्षा को सर्वभौमिक रुप से सुलभ बनाते हुए उच्च शिक्षा में शिक्षा और शिक्षा में प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ाने के बुनयादी ढांचे को मजबूत करके छात्रों के समग्र व्यक्तिव के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। इसके साथ ही साथ व्यावसायिक शिक्षा सहित उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात को 2035 तक शत प्रतिशत बढ़ाने का लक्ष्य निर्धारित की है। डॉ. गुप्ता ने आगे यह भी कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के जो भी उद्देश्य निर्धारित किये गये हैं, उन उद्देश्यों को हम सभी मिलकर निश्चित रुप से प्राप्त करेंगें और अपने देश को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। उक्त प्रार्थना सभा में महा विद्यालय के सभी विद्यार्थी, शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहें।

आज के परिवेश में युवा पीढ़ी नशे की चपेट में

जंगल धूसड (गोरखपुर)। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा नशा मुक्ति अभियान के अन्तर्गत विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रुप मे डा.अभय श्रीवास्तव, प्रभारी वनस्पति विज्ञान विभाग ने सभी स्वयं सेवकों एवं स्वयं सेविकाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज के परिवेश में युवा पीढ़ी नशे के चपेट में है।

आज कल के युवा विभिन्न प्रकार के नशीले पदार्थ जैसे भांग, गांजा, हीरोईन एवं कोकीन का उपयोग कर रहे हैं। इन पदार्थों के प्रयोग से युवाओं मे अनेक शारीरिक एवं मानसिक विकार उत्पन्न हो रहे हैं। जिससे उनका व्यक्तिगत, शैक्षिक एवं सामाजिक समायोजन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। डा.श्रीवास्तव ने यह भी कहा कि युवाओं को नशे की आदत से दूर करने के लिए भारत सरकार समय-समय पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करता रहा है। इसी क्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वार 26 जुलाई से 01 अगस्त, 2024 तक नशा मुक्ति सप्ताह मनाया जा रहा है। इस अभियान में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों एवं सेविकाओं द्वारा विभिन्न माध्यमों जैसे पोस्टर पेंटिंग, घर-घर जाकर नुक्कड़ नाटक द्वारा लोगो को नशा एवं नशीले पदार्थ से दूर रहने के लिए जागरुक किया जा रहा है। आज का यह कार्यक्रम इसी अभियान का एक हिस्सा है। जो निश्चित रुप से नशा मुक्ति की दिशा में एक सकारात्मक कदम सिद्ध होगा। उक्त कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन डा.अखिलेश कुमार गुप्ता, कार्यक्रम अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना ने किया। कार्यक्रम मे राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयंसेवकों एवं स्वयंसेविकाओं की उपस्थिति रही।

भारतीय नभमण्डल के धार्मिक–आध्यात्मिक, सामाजिक एवं राजनैतिक क्षितिज के दैदीप्यमान नक्षत्र युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज में पूर्वांचल के शैक्षणिक विकास एवं भारतीय संस्कृति, परम्परा, सनातन ज्ञान–विज्ञान एवं कौशल से ओत–प्रोत शिक्षा के प्रचार–प्रसार के उद्देश्य से सन् 1932 ई. में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना की थी। सिद्ध गोरक्षपीठ एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित महाराणा प्रताप महाविद्यालय पूर्वांचल के शिक्षा क्षेत्र के एक अग्रणी संस्था है। महाविद्यालय के मासिक गतिविधियों का एक संक्षिप्त संकलन ''ध्येय पथ'' नाम से मासिक ई–पत्रिका के रूप में प्रकाशित किया जा रहा है। इसी क्रम में जुलाई माह की मासिक ई–पत्रिका ध्येय–पथ आप सभी के अवलोकनार्थ प्रस्तुत है।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय,

जंगल धूसड, गोरखपुर